A.C. Joshi Library
P.U. Chandigarh

MSS No. 434 Subject Ramayana

Name of MSS Abhas Ramayana

Author Valamiki

Period ________ Folios 88 + 2 = 90

Script Devnagiri Source Bala Sahai Shastri, Alwar, Rajasthan

Missing Folios ________

(8) आभासरामायण 437

1

श्रीगणेशायनमः॥ दंडक॥ आव
रघुवीरकीसरणअंगदकहै॥ आनि
मतिमूढवरबचनमेरो॥ आऊआऊ
जबकोपिलंकेसकहैभुजनमेरी
बस्योकालतेरो॥१॥ सुरअसुरनाग
बलआनिलेबसिकीयेइंद्रब्रह्मादि
सबहीनबाये॥ बालअद्भुतपहैआगो
रपीछेरहेरीछकपिलंककुगदलेआ
ये॥२॥ वामकरकीअल्पअंगुरीअंक
भरीलंककगदबंककछिनमाहिदाऊ
कहावकूंनैकमोहिसंकरघुबीरकी
वंकतोहिमारिअवहीउढाउ॥३॥ होहि
अैसोबलीमुग्धकपिकाहिनैबाल
सेबापकोवैरलीजुं॥ तातकेभात

रामा॰ २
॥१॥

कीमातपत्नीकरीसत्रुकीसयनज्ञा
यसीसदीक्षं॥४॥झुलेममतातकेरा
ववेसेलषनधर्मकीमैडजौकोगिउ
री॥धुविपरिहैग्रवैराजऊकेवदन
रामअवतारधनुदंडधारी॥५॥मुन
तहीवचनमानुकुभिगकोफनवं
ध्योसिंघकोपुंछसोउनमरोरयो॥प
रजरीआगिउरवीसलोचनविकट
पटकिभुजउगनमंत्रीनिहोरयो॥६॥
जोलौंघरुपैंअभिमानमदकीभरी
निद्रीवसैवंकहैहृष्टिपेरवी॥सयनअ
सयनवांकरीभुजारघुवीरकीजोलोम
तिमूढवैंनाहिदेरवी॥७॥चपलवनच
रनकीजातिचरवोअप्रतिकलाजन १

3 सुंवोलिजानैं।छत्रकीछांहइंदराहिथ
रथरकैवैवक्रतहांटीजनहिसंकमां
नै॥८॥इसगिरसेज्यथसेरसमगीन
तसआपनूबलनजीघमेवीवासै॥क
हतपरधानमहाराजिपाव्नवलीश्र
वधिपतिग्रापसुंवायमारै॥९॥वस्यो
वलिवाधिवलिहाधिवासनगादाकिक
रीकोरदैदैजिवायो॥तानकेसमपाल
नैग्रानिवाध्योऊलोरहपरनमाधिकै
वरकवायो॥१०॥सरसकोवचनसुनि
छेरहीयमभयोवदपरीजियमकु
दीवटावै॥हैरैकोइस्तरसामंनमेरीस
भामाविल्योमंदनहिजानपावै॥११॥
एकरहपटरीयांमुकरडडिजायगे

सभासवचरनमुं वांपिडारुं ॥ वालिके
पूनहोयमोचलीयमैकरुंसिंघकै
मीइकनिकाहिमारुं ॥३॥ अमनगु
पराधउतपानछोरेनकोवडेनकी
छिमाभूषणकहावै । जानघोटलअ
वलौनमास्योमुसुपमुनमुंलरलजि
यसंकआवै ॥४॥ सुरकिमोरअवबा
लिनंदनकह्योकौनअवसीमतोमु
पवावै ॥ नैकधरधीररणधीररघुवी
रभटहै विनरनारकैसीवजावै ॥५॥

मकीकथा।बाल्मीकनेकहा॥सोसंक्षेप
राजनसें॥७॥कहताहेंरागगायस
जनभजनरंजनराम।रघुवरसोंरजा
पाय॥सिरनवायचरनसें॥राम॥तप
वेदकेनिधांनग्यांनदेवऋषकहा॥वा
ल्मीभकसोंसुनाउसेकथांरकरकह्या
ई॥बहिसोकरोउछीरउदधिसतवम
थनिकाल।चौविसहजार॥चौविसग्र
थरलगायलीया॥८॥सीताकुमार
सिखकियानृगनुवांसभी॥रघुनाथ
कोंसुनायकोलेभायवसकीया॥९॥
स्वरतांननालरागरंगसएकीमजा।
स्वननपियालेभरभरपीयूखसब
पिया॥१०॥लवकुशाकेहेंश्रोरामसुने

सुरनरमुनिवीच॥ रघुनाथनेकियासो
धारतवरलालकभया॥३॥ एकसमैअवधपु
रीभरीपुरीजरनजरजरीनिशान्। रघुरा
दिलवसैंवसिंदेमुनलक्रुसैंगामृगया
॥४॥ अजकुमारदशरथमहाबलपछु
नरधरैं॥ नवखंडसातद्वीपमेंकरेंदगा
मया॥५॥ परशानितीनसैंपचासमम्ह
ल्समवाह्। क्षणमावल्लभसालछत्रवव
रकृपाहिया॥६॥ राम॰॥ दशरथउमरवु
ढानीविनपुत्रकिकरमंद॥ कह्यजपमें
करोंमोगुरुवसिष्ठसिंधकरें॥७॥ तुमं
त्रकेहेंमेंसुनासनत्कुमारसें॥ ऋषिश्रृंग
कोंबोलायजगनसदनमेंधरें॥८॥ ऋषि
ल्यावनेदसमरथगतघरणमपारके॥

7 मनमानसोवोलापमकालेजनपाय
नपरें ॥ १९ ॥ मरजुकेपाछआपकरोव्र
म्हक्षिकहें ॥ नहोलापगाओमयन
कोंमंडलेसकेघरें ॥ २० ॥ होताहेएसा
जगकहींनहींऊपायसुना ॥ जोकुष्ठको
इकेंमांगेवोंहीउसेभरें ॥ २१ ॥ वदेवकी
सभामिलगोविंदसवनजाय ॥ विन
तीकरेंषोकारकोंगावुनकिइसरूं ॥ भ
कवेगेंमनुषजनमसुनकषारमुराए
पायसहियानिकलेजहांजगआगि
नजरें ॥ २२ ॥ पायसविलाएलीनकोंकी
नेविभागवार ॥ ब्रम्हाकेवचनदेवक
पीजनमपोलनर ॥ २ ॥ ॥ रामा ॥ ऋषिको
वलायवाहसोंचकोरचितनमेथा ॥ ३

रामा० ॥४॥

सभरसलिलमध्यासरदरसपरमचैनचं
द॥२४॥दिनचैनसुदीनोमीग्रहपांचजं
ववुलंद॥करककसलगानविकारहयना।
ग्रगरभएसुकुंद॥२५॥संखसेखचक्र
तीनषधजनकिरभए।श्रीरामभरतल
छमनशत्रुघनामदंद॥२६॥कंजनेनमे
घस्यामरामलछमनगोरे॥वैसेभर
तशत्रुघनदोनोंहुएकजिद॥२७॥एमे
कुमारचारचारोवेदगुननिधांन॥द
शरथकेदिककेहारजगसदनकेभा
नरकंद॥२८॥सुंदरसरूपसरधनुधर
रघुकरनधीर॥दशरथकेदिनकोदि
नदिनशरीरीकोंकिकरमंद॥गाधीकु
मारसंगलछमनरामलेचले॥वामन

रामः ॥४॥

9

केवनजगनविघनहरनमारनकोंरिह
३०॥अतिबलपराधयवनदेखायतंडका
मराय॥अक्तलैनेनिसिंहलैअपमुंसरु
दनंद॥३१॥दोवेबिघनजगनकेजंगलाकि
येहलै॥रूबिकुलमुलकसुनामलेकमा
नजागमों॥३२॥गंगाकेंगुनअगनितरव्या
तजरातसवमुने॥सागरभवेभगीरथ
पितरोंकेभागमों॥३३॥विशालपुरीवसे
जहांमारूतअगटे॥गौतमशिलाअहि
गौतमकुमारशतानंदजनककेमुता॥३४
आएदेवसरूपीसेकुमारवागमों॥३५॥कु
शलपूछशतानंदजनकजीकहें॥सेदेख
कोंनल्याएमहवूवजागमों॥३६॥रवुशानै
नरवूबरूपसुरजवंदहिलहयें॥चहियेध

राम० ॥५॥ तुषधेंसीतासोहागमों।३७।रघुवीर
हैंमनधीरदोदशरथकेलाडिले।आए
हैंलछमनरामकामधनुषभागमों।३८
सुनमनआनंदशतानंदरामसोंकहें।
यहरूपसोंब्रह्मऋषिभएवसिष्ठलाग
मों।३९।ऋषिकीकथासुनायशतानंद
जनकचले।कलआयधनुषटाइयेसी
ताबिहाइये।४०।शंकरकमानमानयसु
रमुनजनसें।रघुनाथतुरततोडावलकों
स्माहिये।४१।शीसेजनकतिलककिया
सियामालगवेजल।दसरथकोंदूतजा
कजनलदीबोलाइये।४२।शरीकासुग
लमुनकरघुआदिलसोंसवचले।दिन
गतवलबरातजनकपुरमोहोवाइये।४३। ॥५॥

कुशध्वजबोलायतस्माएप्रधाजितस्थवथ
सोंआए॥गुरुजनककुलवरवानकहा
गोदानकराइये॥४४॥जनवासआए
कहेपगायजनकसोंमिले॥मंडपवना
यवाकथागोवरबोलाइये॥४५॥दसरथ
कुमारचाररचारकुंवरिजनककी।विहा
कियाविदादियाअवधकोंजाइये।४६
मगमेंमिलेभृगुनंदनरघुनंदनयेथे।ले
करधनुखकहामहेंशगिरकोंधाइये।४७
नामरामचीन्हेकीन्हेवररवानवेद।वास
नगाएनृपसजभएनगारसजाइये॥४८॥
तुरतभीवनआयभरतकोंविदाकिये।मा
विपतसेंप्रेमरंगसियावररमाइये।४९

रामा॰ 12

॥६॥

॥इलावली॥तालजं०॥

॥इतिश्रीवाल्मीकीयेआभासरामायणेवालकांडसमाप्तः॥अथअयोध्याकांडप्रारंभः॥रागतिवरवै॥ छं

भरतशत्रुघनलेगएमांमाखिजमततलछमनरामकी।राजादसरथकेंराजदेनकोंसालगिरहमायनगहरि॥१॥
नहीरामसानरहैंजगमेंजगमोंहनग्रौरजसधारी।मंडलेस्वरमंत्रकियातबनृपकरवावततैयारी॥२॥रामराजकाजग्याहंगामाघरघरखुशियांफेलगई।केकेईकीलौंडिमोंडीसुनकरजलबलरवाखभई॥३॥केकेईकोंयांसमुझायारामराजमततहोयकही॥भरतविचारावहांपगयानुजपरहोगी

॥६॥

ऐंनवही॥४॥कथाजानैंकथाजोगसुना
याबसकरराजाबचनलिया।कैकेयी
वरदानमांगकरतिलकआजमोंक
फकिया।५।कैकेयीनेरामबोलाएबि
दाकरायेगरुअनसों।कौशल्यापवपा
यमनाइलछमनकुदकेतनमनसों।६
मांगीसीखभियाघरस्याथेरहनकहात
बमरनलगी।सबबसदेनिकसेमगमें
लखबरोबतनगरीबैंनजगी।७।कैकेयी
सबमिलममसाईधिकधिकपाईगुरुज
नसों।पहेरवीरजबबाहयनिकसेबि
रहआगिलगीतनमनसों॥८॥रथपरबै
ठवलेजबबनकोंधावरजंगमसंगाच
ले।नहिकोऽरऐसारहानगरमेंजिनकेन

राम: 14
॥७॥

ननेननीरढले॥९॥रामचलेवनवास
विसजनीउगघरमैंक्याकामरहा॥
सीताराममलिथेलछमनसंगसुख
सौंराजाजाऊकहा॥१०॥हाहाकरतच
लेनरनारीजबलगरथकीधुरहिसी
तनमनधनकीसुधविसराईविरह
सौंगहिथसैलधसी॥११॥पहलीरातब
सेसबजननमैंविनाकहेचुपकेसहके
उठतरामहिदेषतरोवतघरआवत
तियजलऊठके॥१२॥गंगादरसमपरस
हियहरखेश्रृंगमेरकीमजललिया॥
गुहमलाहकीजानकेंनमीदिलभर
अपनांधारकिया॥१३॥गुहसौंमिलक
रनदीउतरकरभरद्वाजसौंआयमिले ॥७॥

15

एकदिनरहेफलाहखायकरचित्रकू
टमेंगएचले।।४।।इंद्रकवनकोंधसमु
रारीवनचरमृगमुनिअभर्दिये।कुरी
वनायभुलायराजकोंअवलअवलप
रवासकिये।।५।।वहांसुमंत्रवसनमुन
वनमेंरोयतरथकोंफेरलिया।रोएतु
रंगकुरंगभृंगजलथलवनपंछीरोय
दीया।।६।।पहुंचतनरनारीसबमिलमि
लकहाराममुमस्यागकिये।कोशल्या
नृपजबपूछेंगेकोनवचनमुमकंरकि
ये।।७।।सुनसुमंत्रकारथजबआयाअ
रपवराजाउठरवेगे।नहीरामखालीर
थआयासुननवखाटपरकिरतेहे।।८।।
कहनसुमंत्रवचनमनहेवनमेंकहेफना

यागुरजनसों॥ वोहहवसिसवतायआय
कोंफिरलाभोंगाचरनन्हसों॥ १९॥ सुन
कौसल्यावचनह्मागाह्यवनसगापपा
पजागा॥ जैसाकहैसोतैसापावैराममवि
रहसोंफललागा॥ २०॥ माधीरातिपोका
रसरोवतहायराममलछिमनसीता॥ उ
तनीकहीसोकहानहीफिरवोलेराजा
अगाजीता॥ २१॥ कौसल्याउग्रप्रातपोकारी
पतिदेवेपरलोकगए। अनरनवसारो
तासुनकरअवधनिवासीदीनभए। २२॥
कहतवसिष्टसभाकरसवकोंविनराजा
नहिकामचले। तेलकुंडमेंरखराजाकों
भरतवोलावनदूतचले॥ २३॥ भरतलेन
कोंचलेदूतनववहांसेंनमेंसुपनभया

17 २४ पहुचे दूत बोला अवधपुर जनन लला-
दीव लिये अवधपुरी कुशल पूछक
हि चले पंथमें क्रिया अनुकाम नये क्र
धरी २५ सात रात दिन चले पंथमें
पुरी जरी सी देख डरे रघु सों उतरग
ए घर में फिर कैकेयी के पांउ पडे २६
कहल पिता नहि भाई देखें नगाव उज
र सा देख वपरे जिननी भई कहीतित
नी सब सुनत गिरे ओं बहछ गिरे. २७
धिक जननी न ताहि मैं ले गाय सिधाति
नि नागिन जैसी राम सम मोहे जान
त सब जग का उजरी हिय बुढव सी
२८ रैन विहानी कोसल्या घर गुरु के
के कहे सों क्रिया करी राज देन लागे
सब मिल तब ह्याय राम कहं थां खभ
री २९ कहत भरत सब मुने मं त्रिगुरु

राम: ९ ४

रामलेआवनअहेरकरों।जोनहिमा
नेकहाकथीतोवैठसोंहानेसोंनठरों
३०॥रामलेनकोंचलेसवनमिलनव
नारीनिकसेघरसों।श्रृंगावेरमेंआय
पहेलवरगुहबोलेअपनेजनसों।३१।
मिलेभरतगुहकुसलपूछकहिकें
रघुवरसोंलइनचले।सासमुनिविना
पासनपऊंचोसुननभरतहरगनीरह
ले।३२।कहनभरतगुहबवनवानसों
मनवेधेहियवेधकरो।रामलेनकों
जातजातसंगचलोनाथयरतुमडत
रो।३३।सुनलवचनगुहनावबोलाई
कियागुजागालशाकरका।भरवास
सोंजाकनलेकरमिलाछिकोंनारघु
वरका।३४।लशाकरछोडापायनजो
डसंगलियेशत्रुघनकों।धुरुश्रीसेर ९

19 करुणानुशालीहियंरामश्रायेवनकों
वहीसमैंसियपतिवनविहरलकाग
श्रांरवपरतीरलगा।लशाकरदेखकुटे
लछमनप्रभुभरथआयमतकरनद
गा।२६।मतलछमनयहबातविचारो
प्रभुकरराजरेगाप्रजकों।तुमबाहेतोत
सेहिवांभरथनहीउआमनतुमकों॥
परुवेभरथरामकोंदेखेदोउगिरेनहि
परुचसके।धायउठायगोदवैबराल
लीरकस्वीसपछके।२७।पितामरन
सुनअतिउरवपायेनदीनहायश्राव
वैठे।कहतभरतकरजोडगोरगिरती
नभातसोंप्रभुजोठे॥२८॥तुमराजाह
मरामतुहारेवलोपवधपुररजांक
रो।जननीकीनकसीरमाफकरराज

रामा॰ 20
१०
सिंघासनपाऊंधरो।४७।ऐसेवऊविधि
वचनसुनाएमहिरघुवरकोंएकलगे
वैरहवरसमकहेसोकहेनहिकहेकिसी
केनामहिंयो।४८।नियमकियाजवभरथ
मिलेनकाकरुणानिधयहविधवोले।
यहीपावरीराजकरेगीजेसेहमेंछत्रसे
ले।४९।कहतभरतसवसुनेसभाजनअ
हेरुअवधलगारेहधरों।।जोनहिएवोंवच
नकमललोपेंछग्रगिनमेंवोहीजवों।५०
पावरलेकरविदाहोयकरसिरपरधर
परनांमकिया।आयअवधपुरउजररहे
सवकरभरथआंनवभरसोमदिया।५१
नंदीग्राममेंवसेवेरागीवोरहवरस
वितावनकों।वहांरांमगिरिचिराजत्याग
करचलेअत्रिकेआश्रमकों।५२।मुनि १०

21 पदपरसेअनुसघानेसियमुखसुनातखं
वरकों।धेंमरंगअभुसुखसोंवसेवनघ
नसरघनुधरकों।७६॥इतिश्रीवाल्मी
कीयआभासरामायणेअयोध्याकांडसमा
सः॥२॥अथआरण्यकांडआरंभः॥रामरसी
सोरठा॥तालधीमालिताला॥छंदरेखता॥पैठ
हेबनसघनमैंकरधरवानऔकमान
कासुवरूपमहवूवजदाजसूकरहसें।१।
लटकीलिनैंनवैनमधुवैलवसकिये।दा
रेनटरैगापसलरकेहेलवकूसें।२।एक
एककीकुटीजायकरअभुफलमूलले
खायकर।आगेसेवनाविकटसें छकेलहु
रुकसें॥३॥इतनेंमेंदोउआयकरलिमिवर
लेचलासियाकों।लछमनकेकहेसपरे
छोडायाहैरपरसें।४।सीनेमेंवेधपायक

रा॰मा॰ रखसियलेचलाउहनूकों।सीताकोंदे

॥ 22 खोतेकरतोडेहेंबहूकसें॥५॥चिमाघ

मेंभ्रमरहोंनाहिमरतोंहोंकिसीसें।

रघुनाथजोतुसीहोगाउगेपटक

में॥६॥गाइहेंमेंगाउनिसिचरफिरआ

गेकोंचलेवनमें॥आगभंगरामवंराऊ

एजेलखाकसटकसें॥७॥मिलमिलकें

मुनिआयेरघुवरकपगुनलोभाए।भ

यपायअभयमागेंरावनकिरवुटकसें

॥८॥राम॥यमराजहिसामेंमुनलमुनि

वरअगस्तकहांरहते।इसआलयों

गुरजरकरमुनीमुतीक्ष्णहावावताई

॥९॥पकुवेंहेंदरसपरसकरमुनिवरण

सचहेंरघुवर॥संसेरकमानग्रष्ठेसर

अपनीहिप्रमानपाई॥१०॥रहेनाहह ॥

23 मेंवसोकोईखुशाहोरऊकमरकीजे॥ल
पण्यांनजांनप्रभुकौंजनरूप्यांनवताई
॥१॥जराणुआयमिलकरकुहियांमेंर
हेकोईदिन॥गुलवहारनिलरसलदी
जलरीहिनहाथेभाई॥२॥एककवेकहिं
शुगलमेंवहाएकसूर्पनरवी॥आईमो
डीसियाकलनिगोरीसुंदरसरूपलोभा
ई॥३॥दोचारस्यकेहोराईआहकरनेकौं
होनोंभाई।हसमुजानकानकाटेहोय
नकरीहियहांसेधाई॥४॥रघुनाथस
रूपकहेतेरंउनाकोंसोंखूनवहते।वो
दहवलाएखरनेनिसिवरदायला
ई॥५॥देखेंहेंवडेभथानकप्रभुलछम
नकौंसोंपण्यानक॥मांगहेंसभीसहमें
जमराजपुरदेखाई॥६॥राम॥नारद

रामा॰ कौंमगेहंसुनकरखरखोरहोहजारलेक
१२ 24 र॥ दूखनवगेतेघिगिरारघुकरसौमरा
या॥ ७॥ खुराकदेखरखुपरकहिहोवा
रवानमरवृती। लइभिरकौंथकाजानीस
रवेघधिगिरावा॥ ८॥ सुरसुनेसुमनकाय
तजनमनभंमकुरीमेंश्रागे। वनवांसनभे
मयपाएहसससिरवरामगरेलगाया
९। एकसूर्पनखीश्रकंपनउरकरसैन्य
एलंका॥ सीताकोंहरनवतायामारीचम
रततणाया॥ १०॥ मारीचबडगाडग्यायावबल
रघुनाथ। कासानुगाया। जंजालघेरलायप
जनश्यालहरनचुंवया॥ ११॥ सियहेतरकुन
भुनतेश्रजनवसुवर्नहेहर्नजुगनते। मननैंन
हेलनरनेरघुवकौंहेरायाया॥ १२॥ भेमेंहे
हूनायकरलगिसरवेधगियानिमिसव १२

25 र।परसेरकलाहेलछमनसियभ्रांनरघ्रा
या।२३।आतेइअवाननलछमनसियबरओ
रपगया।गावन्तेसियाहरनकंरखगराज
करया।२४।परकाटबलागगनमेंसिय
बोलीहिडालगाहंनां।धरअंकलेकपकवा
गुरवबरबीरबीलाया।२५।मारीचमारफि
रतेरवगमृगवांणभांणभोंरकरले।लछम
नकौंइरवडरतेकहासियाकौंकहांगवाई
२६।कुटियाकौंइरवरवालीफलगुलवेल
फूलपूछें।वेकारवेहालवेकसहंटेहेंक
हींनपाई।।२७।रोतेहेंगम्मेंगद्यामेंकहांजा
तीहेगुसेंइरवा।वनवासहासकैसीकहें
कदलीकौंकहांहेपाई।।२८।।गोदावरीउरी
सीलरवमृगहीनहरिवनकौंछोडे।।अनकौ

रामा॰
१३ 26

धकालंअगिनकोंयनभ्मलललनेषा
ई।२१।।रथ्यहुयवांनकमांनकरखरपा
मैकवंधकिसकें।।इतनेमंद्रत्वखगाकें
कह्यातिथाईसीनेखाई।।२२।।गोतेहंमुनें
मरथनविनपरर्दसोंरामखेदे।सीता
कीहरनसुनाईरघुवरगोद्मोंतपाई
वांचासोंसेवापरानकरकनकलासों
वलासुरगउर।कवंधवंधकाहेतनजर
नेंसंमदनवताई।।२१।।सुग्रीवसहायसु
नकरयेमरंगमतंगवनकोंदेखें।।सा
वरीकिसतोकिगतकरपंपाकिपव
नमोलाई।।२३।।इतिश्रीवाल्मीकीयअ्प्रा
भासरामायणेआरणयकांडसमाप्तः३
अथकिष्किंधाकांडआरंभः।।रागतिस १३

बंत॥ताल॥१॥ सवैया छंद॥ दानलालाकी बाल
सें कवित॥ श्री फुलन्कि दुमनकि सखन
कि बहार निरसरोवर सारजरे हैं। कोकि
लकूजत भांवर गूंजत मोरन कूंकत पंख
सरें हैं। कुंदकदंबनिमें बसे तालन मालन
पैन पथ भारभरें हैं॥ आज अकामव संतअ
संतमरें नवि हंगाअंगाधरे हैं॥१॥ लछम
न तुम जाय कहो सब संजव सें हमपान
धरेल न मांही॥ जांनकि जांनकि जांनकि
गाहकनाहकभर्नेकरेंमलग्रांही। आज
समाज करें कविराजतो राछसराज पु
रीकुल नांही। सौमित्रिसरूपजगावत
ही प्रभु पैं वेपलइ पिगोशाकेवांही॥२॥ गो
लांगुलवांनरवीहठकेई आवसेवनवालि
वलीयां हां बैठें। कुहकंदरबैंदर हैं मुनि
मेंरर

रा.मा.
१४ 28

आपप्रतापपहाउनहेरें। सुग्रीवकेजी
वकोंचैनयहीयतिआयमिलेदिनआ
नहेंहेरें। वनमोंनिकसेंकपियोंहस्सें
उवकेंछन्दकेंएकठोरलठहेरें।३।महा
वीरबलीरनधीरहरीहनुमानकहेउ
नमानसेआने। दूतसपूतसवारतका
जसमाजकीयविप्रकेनयेयाने।।वि
प्ररूपसोंआयपरेप्रभुपायस्वरूप
सुनायविश्रायवखाने। कोउकपि
इसमानकेरेउनकीप्रभुनकोंनभुजो
मतमानें।४।मनेहसोंबांधधरेदोउ
कांधलेआयननेयाकपीशमिलाए
लक्ष्मणरवैठायकोंआगजपायकों
पिथकथायसभीसुखपाए। सियकों
गौहरतांप्रभुनकोंगहनांजोगिरायगा १४

इसोहैरघुपतेवाण। सुग्रीवसंदेसमुनेसों
प्रभुकरवोलकहाकलवालिमराए॥५॥
कोलसुनेसोंकलोलकियावलवालिवि
चारलवारसेजाने। प्रतीतनहोतमित्थाव
तसोंतवडुंडुभिदेहदिखायहरांने। डुंडुभि
देहगयाइसजोजनतालपतालविंधेआ
रमाले। नाथसनाथकियामुजकोंधरह
थअनाथकहेलोंधरवाइने।६।प्रभुकोंसं
गलेकोंचलेलडनेवलवालिवहेतवका
लसेलागे। पराएलुकाएरहेगिरिआय
कहेंप्रभुमारखिवायकोंसागे॥रामकहैं
होभाइतमैंतवचीकृपचेतनसोंजवभागो
इतनीकहिकंवलगायलताफिरतालदे
कायलियाथनआगो।७।वनआसमनआय
प्रणामकनायछिपायथेगायकडेलल

रामा॰ १५ 30

कागा।सुनसंतनवआवतछाललगावत
धावतआवतगेकेतनागा।नाथछिपा
कोऽसाथमेहैंरघुनाथकेहाथसह
यपोकागा।तियकोंसवजायभिडेव
नमैंनगाथंगतनंघनमुकिलमागा।
प।।हयपहैलपरेंपहकेंउगकेंकपहंलक
टाकरहेहविहारे।षंगानथंगनहूक
नमोंवथंगभडाकपहाऽसेकारे।सु
हकेंकहकलिहहेंतनवहहहकेंघुह
मोंहहपोकारे।धगत्तकेहत्तकेती
।यकिसीलमोंकालकेगत्तमोंवालि
कोंमारे।।हियफाहमारेमोंपहावडि
गेलवइथेयसोंरीनदयालहेखाने।
पासगुलायकहालइकोंनुमवाजसु
मायकेयोगछिपानें।नीवकमांनव १५

31 हीमनमांनजवांनजसायकोंयानकोंमो
नैं।तियावरजेगयजेनरगतृणकूपकों
गृपधराधरजांने॥६॥रामकहेंकपिकों
कलकेमालमेअपराधनवाधनगांनी
भर्तकेभ्रातसोंमर्तनहीतियवंधवधकु
मभोगतमांनी।हमरीनहगालनिहा
लकहैंजिहिंलथधरायवंधायजवानी
इतिनीसुनवालधरैकयभालकिमाल
क्रिपाकरीमेंअघजांनी॥७॥वंदनीवंदना
मपनासुनिकैथनप्राणकोंवालविलो
ककोंरोवे।अंगदयंगहुपपायप्रणा
यकोंपासवेगयकौरोवे।तानकोजु
मजातिसुभावसहेसुखदुखवदवासु
राहोवे।इमनीकहेंमायेकायसुग्रीवकों
वांनतिकामसंग्रांनकोंपठवोवे॥८॥सुपेण

रामा॰ 32
१६

सुनीतायाम्सिगिरीपतिअंगदउगायअलिं
गनदैहें।लछमनहमांनकहेकरनीक
रनेकौंचलेकपियानगरेहें।अंगदअं
गदहेपितुकेसबस्थानकिलहसिनथव
लेहें।हनुमानकहेंथभुनयचलोनतुपा
वसमासमेंपासरहेहें।।१।।रामकहेंहम
कोमतसेंवनवासमजेनहिनग्रवेंहंगे
तुमभामिनिमेंमसिनयकेंमसंयोहम
वसंघनसामिनिकोवजअंगे।तुमबानु
रमासविलासमकरोहमबाग्रिवनेंहकी
भासगाहेंगे।पविनेंरुनराजवेंगयको
अंगदरेयुवराजसभीसुखलेंगे।।१७।।
लछमनंवदराजमडेसुमडेगयजेवरमे
जियकोललचावे।राजयकोकिलमार
केसोरघयराघनयोरसिघरनआवे।ज १६

33 लधारधरासेंमिलीऋतुमेंहमेंग्रांनप्रिया
केवियोगसतावे।सावनकीसवलील
खजीकोंनजीवलमियाविननेंनहरावे
१४।खोभारेंनदीउमहीआमहीधनवा
मसेभरीपितुसागतसीता।हमसख
तस्वल्पसगोवरसेरसगआश्विनमास
मेंपासनसीता।जलसीतभयेजलरा
ऋगएफलफूलनयेवरखाऋतुबीता
लछमनसमजावततोनहीमानतउत
मतसेमन्मथजीता।।१६।मगासखगण
जलसाफभयेनभनिर्मलवांहनिवंह
विकासें।कातिकमासकगानकियाक
पिकारनकोंनवसेंनलिकासे।उमत
कोंलननलगावतलछमनचालकेल
केवानहेंत्वासे।लछमनसुनसेसमं

रामा: १७ 34

सभयेमेंरसाजसजेधसक्रोधप्रकासे
।१७। उरमेंबंदरावेंहरीनडरीनडरीसमु
झापरीआयकपीशमिलाए। अंगदहरी
हनुमानजांववाननलनीलसुषेणअ
नेकदिषाये। हरीशानरेशाकेपपांनच
लेमेंचलेसिंउलोकभलेइरपाये। हरा
ण्यसांपांछतहेंरघुनाथजोजनकके
नाथअनाथसेपाये।१८। सरहाथगिना
यवैगायकहेंकरजोरकपीप्रभुजोकर
मावें। रामकहेंसबकामकीयेसियबो
जलगायकेंफैजलडावें। उरयावलरा
खिवनअस्तगिरीकपिउनरकूललोंहेम
वतावें। कपिवारबोलायकेंचावदिसा
पठयेकहियेकहिमासमेंआवें।१९। तीन
दिसातिनोफोजगाईहनुमांनवरवानमु १७

35 रीपठवाई। कैकोटञोनन्केभुवनको
कपिकुमकेंसंलखीकिसनेहैखलाई।
प्रभुवालकेवैरमेंभागतमेंकरगोपह
सीकैवेरघुमाई। तीनदिसाकिरआये
कपीहनुमांनसंदेसकीआसबंधाई
२०॥ दंडकविंध्यमलाद्रिमहेंदकौंढूढ
तभ्रखविपासकेगाहे॥ विलदेखधसे
फलफूलदिसेकोइरोजवसेसांखट
प्रभुकोंढ॥ स्तुवीलगायेसोंलगमरने
संपातिसंदेससोंवांनरवाहे। छालगि
नायथाकेनसकेजांववांनकहैहनु
मानसोंगाहे। २१। जन्मसमेशिशुरूप
तुहीरविलेनचलेतवराऊपगाये। गा
ऊकोंछोडगजेंदपेंधावतवजलगेह
नुमांनकहाये। वायुकेकोपसोंदेववा

रामा॰ १८ 36

लाय्रअबध्यकराय्रअलीबलपाये।प्रेम
रंगप्रभुकोंप्रतीतनुसीउक्काजकरो
संगअंगदस्आये।।२२।।इतिश्रीवाल्मीकी
येआभासरामायणेकिष्किंधाकांडसमा
प्तः।।अथसुंदरकांडआरंभः।।रागभैरव।।
ताल।।३।।धिमापदकीचालसों।।हनुमतेनम
हनूमानजीबनसबकेनुम।उवसीता
कीखोजकरो।हनू०।कहिसंपातीपार
भानकीछाललगावनबलसुमिरो।ह
नू०धृ०।तवरावनरिपुसियाखोजकी
सुधआयेबलबद्दनबढाये।जांववांन
अंगदसुखपायेकहासबनकोयंहो
गोहो।१।हनू०।इसनीकहतवहेमारुत
सुतकहिअंगदकोंधीरधरो।लंकउवा
यधरोंउततेरतसुखीहोयवानरखि १८

37 वगो।२।हनू०।चूरननगरकरगगनगली
धरकरधरकेमैनाककापर।नागमा
तकोगर्वहरनकरमारसिंहिकापा
रपरो।३।हनू०।मारमारसमवपुकर
तिशिशुरवलंकजीतहेरवतङगरो॥
वंदवांहनीचमवोकवहरिसवनउप
वनदूहफिरो।४।हनू०।घरघरघूमत
कूदतधावतनिकसतपेठतकहीनवे
ठत।रावनसदनवदनलियजनसंपद
नविमानहेरतनिकरो।५।हनू०।तिल
तिलजलथलमहलहेरहरिहारहद
सचिंताचितवाटी।कहिनदेखानीरंन
वेहानीपुनखोजतघरघरसिगरो।६
हनू०।वनिकअशोकलखीमृगनेनी
अत्मनहीपिछलीजववेनी।शिशुरा
मशिशुरूपधरोनवरावनआवन

सवरूपगो।७।हनू०।नरमगरमकहिसि
यथमकाईगवनतृणलरवकोपतमा
ई।धिकतोहिमोरघुनाथनाथविनन
हिउसमसोभ्रसरूपगो।८।हनू०।रवअ
समारतकोंधायोमंरस्तीसमकायुकि
यघो।यातुधानिवमकीरवकीत्रिजस
सपनेरसकंरमगो।९।हनू०।भर्तविन
रसुनतसियहरखीवाढभोरवादुज
करकी।उरवतायमरनगायमेधरवेली।
तवहरिरघुवरसमउचगो।१०।हनू०।व
कितहोयचितवतवऊरसमकपिवरमु
खनिरखतहररवईवानी।धीरजदेवरे
तियांलेकेरघुनाथकुसलकहिकाज
सगो।११।हनू०।सुनसुग्रीवसनेहसंगरामे
रामलछमनकेलछनअंगमे।रूपहरी
खलग्यारवभरीअंगुरीमुदरीदेपायप

39 गो।१२ हनू०।सबवनसुनमसियसैंनसबेक
पिकहतरामग्यावलइतजलदी।हिवन
हिंवंनरैंननहिनिद्यसियानामकोमं
त्रदगो।१३ हनू०।विराकथतमनिहेतवि
काईकाकतिलककीकथासुनाईल
छमननमनायरघुवरलेआयसुग्रीव
सहायसमुद्रतगो।१४ हनू०।एकमास
जीवनसुनमलिलेविदाहोयवनतो
ड़दियो।गहगिरायवनपालमारजे
यामहतकहिसोरकियो।।१५ हनू०।।अ
सिहजारकिंकरविदारभनिसालपा
वमंत्रिनसंघार।।अक्षकुमारमारसु
भवरनिभ्रहारसेभारनग्रहणधरो।।१६
हनू०।मेघावचनसुमिरमाकतसुत
अस्त्रसस्त्रसेअंगधरो।नृपहरसनभा

खलविफरनविचनखलंघ्रतनजंग्रध
यो।१७।हनू।वांधनिमावनपदेखला
एकालेवाहरतोहेफोंनपगाए।भ्मात
हीराकुयालकहितुमकोंकुसलसि
यालेपायपयो।१८।हनू।नामयानसीं
वालमिरेखवनहूवनघिशिगागोरमरे
भजमहंइशिवमकसनहीसियचो
तवचावनवचनधयो।१९।हनू।संपसन
वललडनाविमग्रायोभयपायोमाय
मकरमायो।भ्रतुजविभीखनकहि
नितेरखतिपृछजरनकोमंग्रदयो॥
२०।हनू॥पृछजरावननग्रकिनावत
हरकाराकहिहैयतमायत।लघुहोय
बैठनछोडायग्रगिनलेतजखकीय
गयलंकजरयो।२१।हनू।कारजसिध

५१। कपोकछुसायोहाकसुनायउदधिल
घआयो।अंबवांलअंगदजसगायोम
धुवनपैगविनासकरो।२२।हनु:उदधिलु
खजायदरीशग्योकाराहनुमानअंगद
मोहेमाना।सुकरासिपाहेखीहिविचा
राजाअंपगावोमाफकरो।२३।हनु०
रामसमीपपऊचपदपरसेदेखीसि
यानिसाचरघरसे।रुदितसुखपं
कजमलिलेसुमिरसनेहविरहविक
रो।२४।हनु:कहोसंदेससियासोसुने
सवधहिजीवनकीआसरहीअव।सु
कतिलककीकथासुनतप्रभुहाथसि
याकहिआतवभरो।२५।हनु०येसंग
श्रीरामपरमस्तुतिसवसम्पानभलिं
गनहीलो।कृतकृतमाननकहतपव
नसुतप्रभुप्रतापयासोसुधरो।२६।

॥इतिश्रीवाल्मीकियेआभासरामायणेसुंद
रकांडसमाप्तः॥युद्धकांडआरंभः॥रागणीव
लाडी॥ताल॥२॥छंदपंचपदी॥सखीरकीचा
लख्॥श्रीरामजीसत्य॥सुनकरजोकुछक
ह्यासोहनुमनस्याहेराम।ज्ञानहीनहो
गानिसिचरमेंकाटेकामयेहीहनुमानभ
केला।गगनमस्तमारहेला।आयसिया
कोंसंदेस्सोभेला।लंकाकीनीच्यागका
टेला।ध्यायगुरुजीवनसोमेला॥१॥सर्वस
देलेयकसीसकपीसाकोउगालेलगाय
हनुमानवलीअंगारदेहेनोरघुवरलिये
उलय।फौजैंवादलसीहेरी।गर्जेजोजि
मीनसीफोली।हथियारहाथोमेडारोतोडि
वंदरोनेवागेमोडी।मुतलककमर्नेफोरउभि
छोडी॥२॥सारलकोसाधचलनेसोसगुण
पवनसहाय।रघुनाथकेकुमसोसगु

43 नपवनसहायरवेनोकोकूदवचाय।देषा
दर्थीवपरहीना।वंदरोंकोंगिईमेलीना
रीछलगूरकोपीठपरकीना।विरहान
लसोंसीनाभीना।ग्याहेसीनाजोवनहो
यगाहीना॥५॥लंकाफिरदसारेरवकोग्रा
वनकोवेकरारं।निसिचरसभावोला
यकोंसवमिलिकरेविचार।मुझेग्यव
कयासह्याहे।मेनेजमराजमृराजहलाहे
उठायगिरीकैलासहिलाने।लछनेकोंरा
मवलाहे।संगउसेवंदरामिलाहे॥६॥
वंदरसमुद्रपारकेंवलीवईसरनाम
जलथलवनायल्यायकोलडायमारे
गाराम।मुझेरवनताहेजीका।मनसूवा
वतलाग्रोउसीका।हरनकीयामेसी
तासतीका।मरुधमुझेलागेफीकासं
भोगसियासगलाणेनीका॥७॥मुनक

राम. 44
२२

रावणेनिसावरहाथोंमेंलेहथियार।इंद्र
जीतथेहसतमहोरथलडनेकोंपलीपाय
समोकोंमारेंगेसोतं।जीवेंगेसोजायेंगे
गोते।कैथेकहथोवेमेरवायेंगेगोते।उनो
किआईहेमोतें।ओकोरहमनसेवेरवोते
हे।धीमानसुनभीरवनकेहतेहेंसिरवन
वायसुंदरमक्ला।सियाघोरघुवरकिस
मनजाय।लंकाकोंउजारडारेंगे।भाईसें
मारडारेंगे।बंदरवेसेकोंविदारडारेंगे।
वरदानवहायडारेंगे।दससीसवालोंसें
काहडारेंगे।७।रावनकेंहुथमरहेंमेंरा
मिनकोंघेंसलाय।मोतोंकोंमारडारों
सरजकोंघेंगिराय।तेनेमुझेक्यविचा
रा।नहिथेंकिउलसायघोंधाला।केथेक
राजोकीलसायायाहारा।वंसथनिमिवर
कावारा।मुझकोमैनेरघुवरकोंमाना।८। २२

45 षिकारहेतुअैभाईनहीमेराइश्रमन। सा
तेवनावतामलावतहेमेरामन। विभीख
नसुनकोंकहै। मारेसभीजावोगोझुठ
संगसंगीचाबेंयाकभीकहै। आयेंहंहरी
राजहंवेठे। वीचवैस्वेरघुनाथअनूठे। ई
आकाशसेंपेकारारघुनाथकीसरन
लंकासहनसजनछोडाएकआसनांभरन
विभीखनाममेरा। हरीआनेहरीफसाहम
हनुमानकहैईनकोंदीजेडेरा। प्रभुकेमन
ईसाधेरा। जोईकवारसरनकोंहेरा॥१०॥
बोलाकोंमिलायकोंचरनधरायकों। लं
काकाभेदपायकोंराजाकरायकों। सभी
सुखसेंबिराजे। बेदाशार्दूलपराजे। सेव
देशगणवंदनवाजे। समुद्रपरवंदरगाजे
सुनसुआसोमलाहसाजे॥११॥गगनसो

सुग्रीवबोलारघुनाथकेसरनु।रावनकुल
लकलवखानताहैलंकदीप।लंकेवाहे
कालकाजेसा।रचियावरखानमेवेसा
हरीआनरेथाजीतेंगकेसावंदरोंनेंरोंदा
एसा।कसमकरताहैमरताहोयतेसा।
१२।सबकीसलाहयोंकियेवारउपास
तीन।योबमजसिकोंनारघुनाथहाथ
कीना।रुयारुयीवनजारी।कुंदकरक
मांनकोंताती।कांपगयेतीनोंलोकके
मानी।करजोडकोंगाडगीरापानी॥प्र
भुकीकीरतिवखांनी॥१३॥सबकोफेका
यमारवाडदेसमुधकराय।नलकोंरता
यापुलकोंपालीगयावरपाय।दिनपां
चमेंपुलबनाया।लशकरपैलेपारच
लाया।हनुमानअंगदसरीसेवीरउगा

47 या। सुखेले सुकाम करणया। सुभैंग्रछोंडन
कों रुकुमकर मापा। ४। सगुन सुवार खवे
खकों लछमन सोंकहें याम। हिलसों फला
सयों हे सुरसुनके साथ कोंम। सुकोंमपर
मोरखे साजे। लंकामेंन कावे वाजे। सुनव
रखमके ओगाजे। सूथाके संरंससोंला
जे। रावन आगेंराव नुविराजे॥ ५॥ हेरनोंजा
योरखबर लेभा ओसिरपावपावेगे। मर
हारसब समझकों सुझकोंवनायोगे। हे
मोंवंदरखने हे। सरहारकेयेकगिने हें॥ प
हेवांन बिभीखनें धरलीनेहें। मंत्री सुकसा
रनचीने हें। छोड़ाय प्रभुनें रखन दीनें हें। द
सारनें सुनसंदेसे रावनसें सब कहे लंक
निसाचरराजा सियकों हियेरहें॥ यांघोजी
मेंरन पढैंगे। लछमन औ सुग्रीव लडैंगे
भीरविभीखन पारेंभिडैंगे। हनुमान औग
दखटैंगे। उनके सुकाबिलकोंन भडैंगे। ७

जांबवाननीलनलसुषेंणशतबलीरभ
स।मैंदद्विविदकुमुदतारक्षंभगवक्षपन
स।गवयशरभगंधमादन।गवाओरवे
सरीतपन।काहेंगेकपालवदन।सुनव
रमलीनकरवदन।धदेश्वहेंसारमस्न।
१८।रावनकहेसानुसोवंदरकाकहोशु
मार।कुमारकिसकेबलकाहेलकाक
हेपोकारसारनकहेसुनदिवाने॥सु
सेनवधरवारवरवाने।रामलछिमन
केनिशानपरवाने।विभीखनसुग्रीव
दरवाने।केकोरुयूर्बुदवंदरभरवाने
१९।मददहेवोकेकुमारवेगावस्योंवलि
वार॥वांदरवलेगूरीछसंघापाहेरवा
रपार।सियाहेजीआओवाहे।हससी
सखोवेगाकाहे॥निर्वलुमेंबंतुमेतव
जांनाहे।राजोंकोंचोरीवेआहे।सियाह
लांनमराजमेजाहे॥२०॥सुनहांतणीस

49 ंवनमारनमेंलडपडा।उआमनकाव
लवखांनबांनहिलमेरेलडा।लङाहूंमे
देखहांनोंसों।परेहेआहूरकोंनोंसों।
मारडालेंसेंनोंकोंजोंमोंसों।नद्वारे
बजवायनिशांनोंसों।इरवाजेसजवा
यझंडांनोंसों।२।।आईलसबबोलाय
कहारामपासजाओसवरदारसबके
दिलकीजलदीखबरलेआओ।निसि
चरलडाकमेंआवे।विभीखनपहेचां
नपावे।पकडहेवारकोंमारदेवाए।
रघुवरकाहुकमबवाए।आयरावन
कोंघावरेखाए।२२।अबरायकोंसभा
करबेकीसजायके।बिजुलीकीजीम
वालामायावनायके।निसाचरसंग
मेंलीनां।रघुवरकासिरकमांनकीनं
सियाकोंदेखायभीहीनां।सीतामन्म
शोकसाभीनां।यः देखबसमोनेमाया

राम: ५५ 50

हैबीक्तो ॥ ४४ ॥ सोउग्यायाभिमावखावनेको
लेगया ॥ नानाकहूनलडमिटककुनीकें
काभया ॥ सरमासोसीतासेसोरवी ॥ रा
वनमागजायगासेरवी ॥ योसेंभुवनमे
कवताहेओरवी ॥ मंसेहरीछोडग्मनोरवी
उरधुद्धकरताहेसियाकोंचोरवी ॥ ४५ ॥
माल्यवांनरवकाऊंगउदगाअविद्या ॥ स
वसनरवडेनिमावरूआहेमानोसिंध
यहत्तकोपुरवरवाजे ॥ महाइसदवि
नविगाजे ॥ इन्द्रजीनरवडाहेपच्छिमगाजे
अपनेअपनेदलकोसाजे ॥ आपवदाहे
उतरसेंगाजे ॥ ४६ ॥ मधगोलखडेकरन
विरूपाक्षसेंकहा ॥ लंकासजीसभातजी
गाजीहोयमहलरहा ॥ गाघोजीनेंसभ्य
बोलाए ॥ लक्ष्मनन्योसुग्रीवसकया
ये ॥ हनुमानअंगदरवेआए ॥ उसामनकेम
कानदेखाए ॥ इसलेकनेदेवसोमोहछा ५५

51 ए।रह।रघुनाथसोंविनयसोंकहतेहेवि
भीखन्न।मेरेरपीकयागोआयेहेंरसी
छिन्न।लंकेशलंकासारकराई।प्रहस्त
भ्रवझिमेवाई।पछिमरहलपूतपठाई॥
दक्षिनदरवाजेहेभाई।उत्तरआपबाआप
वहाई॥४७।विभीखनकावचनसुनकें
निलकोदियाप्रहस्त।हरिविनदियाअं
गदकों॥महापार्श्वमहोदरमस्त।हनुम
नकोंरावनकावेरा।मेघनादलंकेशसोंभे
रा।सुग्रीवरहेवीचपौजलपेरा।निसच
रकोंदेखायोदरपेरा।देखायोंसिगचे
रधूरमेंलेपेरा॥४८॥सबदरसंगलेप्रभु
सुवेलगिरिचले।देखिवांदरीसुगंधव
वनविरहसोंजले।लंकाकोंसिहारवंबे
नी।ख्वाईमेंदरियावसापानी।अगमदे
खीलंकाराजधानी।धारीवूनेदरनकेसा
नी।महलानमानोंकेलासदेखानी।४९

राम 52
२६

सुवर्नकीस्वालरतनमोतिघोंमरी।प्रवा
लयभघरघरपरवतवनीगरी।धेसका
विमानलेआये।इंद्रकाएरावतगिराए
पासवरुनलेछिपायववाए।समराज
नेइरछिपाए।तीनोभुवनकिसियाहा
त्पाये॥७०॥एमाजोउसुद्देरवाहरीककों
हरीग्रा।सिरछत्रचवमरहोवेसुदेसविशा
जेसीस।सुकरदसवंदसेवमके।करस
गाजाहेस्वलेवमके।वडूजनमारीबदस
ग्रीवधमके।छिनएकमारीहेनकोंदम
के।उछलपरकाहेनोजेगमेजेके॥७१॥
जपरलरसुकरकपकडपरकहियाघा
केशा।गारपरभयेगसापरसुकरपकड
पिचेघा।लंकेयाकोंहगाहेजोजांना।माया
वलकरेगामाना।मोछलेनेसोपीसमा
यमाना।किरमेघोपीमागडजांना।समी
पवाघोकेपरपायगेजांना॥७२॥हिरना २६

मकहैंहरिकरतुम्हेंयचितनहीसाहस।आ
फतहोतीजोतुमकोंमजकोंआतात्रपज
स।एसाकांमफेरनकीजे।वैसोंफलाहाथ
ऐंईजे।हिस्मालगायसबबकोंदीजे।स
बोंकीसलाहलीजे।सगुनहोतेहैउआमन
ओछीजे।२२।सुबेलसोंउतरकोंलशाकमें
आयमिले।हनुमांननीलअंगदजांबोमें
गेएसबलसुग्रीवसोंबोले।हेरवोउत
पातकेडोले।मोसमांगेंनिसिचरकीगालें
कपिबरकोंसंगालियेंडोलें।तरकताओ
कमोनकोंतोलें।२४।रावनेसुनावेंरद
रवाजेआयभई।देहेआतमेंक्रोधकरकों
निसिचरकियेरवडे।राघोजीमेंद्रसोंज
नोलहेंगातुकरकरमांनो।दीनदयालद
यापहेंवानो।वकीलसोंकहेंलावनावनें
२५।निसिचरकिसमाजयकोंअंगदहवडे
गहें।रघुनाथकेसदेसरावनसेंसबकहे

रामा: २१ 54

जीवनकाजतनूधरेगा।भाईओरवेराम
रेगा।राजधानीलंकाहाहत्रवेगा।सिया
देसरनूपरेगा।वचावचहीओववनधरे
गा॥२६॥सुनकोपकरनिसाचरवारथा
येंकोंकहाधरो।मानुखकाद्रूतवद्र
कोंवंस्मेंकरो।रावनरूचरेमेंअंगसोंवि
परे।छुटेंगसोकुरपडेरपरे॥प्रसा
दमहलपरसपरे।अवरीकोंलोहउ
छलहपरे।रघुवरकेचरनूसोंलपरे
२७।अंगदकिवातसुनकोंलंकालेप
रहेरव।कुरकेसिघ्रानिवोधथोनले
रवविरहकेभेरव।चंदनमेंनजरपहचा
नी।मिहिनाहेसवराहनोंनी।उठहुंच
देलंकाराजधानी।प्रभूनेकवूलकर
मानी।हुकुमकियाहेलंडनाहेंणोनी
२८।नलपवनसवदनगरडपरअनेक
सेनासहायप।रावनकेरवववपरऊवी २७

55 ढेवरीकोंघेरीआय।लंकमेंकोंकुंभक
रनआयो।नक्कारेओंगनवकुंभखायो।से
धायकुंडकासांतोओछवबायो।मिलि
वरकोंललकारलडायो।केयेकवंदर
धरलीयेगिरवायो।२१।पहाडपेडहात
नखांसेंगिरावते।रावनसभीथामसं
नपरसेंमेलडावते।मारोंकीघातवंधा
वें।अपवनोंअपमेंअपनेंवमुनावें॥
महस्वलोउेंओरवंदरकपरसवें।मिलिव
रजसमपुरकोंजावें।रघुनाथसेवक
सववेकुंठकोंधावें।२२।नरियांवहीर
थिरकीपुरहसेंकाझंगाकीच।जोलेंसा
ओउगलहगलगयेबाजेंवलेंगयबीच।अं
गरइंद्रजीतहरायो।होरामसेयुधस
मरायो।हनुमानअंबुमालीमारगिरा
या।लछमनविरूपाक्षसोंलायो।मि
त्रघ्नरापणलेभाइंनखायो।२३।सुम

रा॰मा॰ २८ 56

घनघनकोपसेरघुवरसोंलडेवार। एक
एककोंएकेकतीरसोंघायोंकोंउतेमा
र। केयेकवंदशोंनैंमारे। गयरसवजो
उंसोंहारे। भागगयेसोंलंकेमपोका
रे। हाथीरथीअश्वविदारे। कवंधउवे
मारेमारपोकारे। ४१। कालरातकत
लकीसीरातहोगई। कोईकोंकोईन
ओलेएसीकरभई। हाराइंद्रजीतभी
पर्यो। छिपकोमायावलकोंकरता। ह
रामजिमीनमेंपावनधर्यो। अस्तरस
स्तरसारसायरता। केकोरकासमि
लगुवेसागिरता। ४२। सोघगयेसव
कोईनहीरवउारीसे। सुग्रीवसेंनेंवी
रकोंनरवसिरवलोंसिरधमें। कसें
जमन्वांनगिरेसें। विभीखनसुग्रीव
दुवेसे। मारजीतवलाओंनोंकामस
देसे। सीताकोंहेरवोयमरेसे। समस २८

57 इखिनरानेलेजायपरेसे।४४।मग्यामोउ
रेजववरामपासअगुजगिरादेखअनेक
सिरवृंधेरुधेसेश्रांनहेविसेख।ग्रमाके
ववनकोंपाला।सुषेणमंत्रीवलीभाला
सुपर्नेभायेआपसीसकोंसला।सखा
कहेकोंभेरवेराला।निचूनउदेसभीसेन
मेंभाला।४५।श्रीरुजकिंहियाहंकारक
रविकासकपिकरें।सुतभपतीसुवन
पतभूलोंकेपतउरें।भावनूनकेंलगम
सुनसदूवकिये।कदलीकरेसेएसेधुम
धुसमापकिये।सहुमनखेसंवोधसुगाया
विभीखनभीसेआमापा।उसपपभोंसें
हथियापलयसरूसाका।भलीनेकेनोंसेहथ
तोयासंपनमसथलंवांपरलउमने
लथासंभ्रमनपेरा।उनेमवृकेहेवेरा।गा
मभ्यावेलेकाहारपरईरा।लंकेसमनाना
मोतहेमेरा।ललकारधमाथलडनेकों

रामाः
५९ 58

ऐसा।४६।धूम्राक्षकोंनिकलतेहोताहेअप
सगुन।सुकरजानामरनाहेसनमुखह
नुमंत।बानोंकीपरसाइवरसाई वेदरमा
रेकोजफलाइ।य:ईरवहनुमानसिलाउ
ठाई।निसिचरनेंगदाचलाई।चवाईमारी।
सिलामोतहीपाइ।४७।धूम्राक्षमरासुन
कोरावन्कोवडाकाल वजेंरखूभेजारघु
वरकोंमारडाल।फौजेअपनीसंगलेचढ
ता।सगुनभोंडेरवकोंडरता।रवन्रव
वाजेअंगदसोंलडता।अगिनघोरकाल
सावटता।य:ईरवअंगदभीललकारको
भिडता।४८।एकपेटकपिनेफेकानिसि
चरनेदीनातोड।नगशृंगचलायारथपर
तिलतिलसाकीनाफोड।कृपानिसिचल
पटाना।कुलीमूंकीहराजाना।उगयतेग
ढाललडनांठांना।अंगदखाईचोटघुमआं
ना।संभालमारीतेगसीसभिन्नांना।४९। ५९

59 वज्रानंष्ट्रमरातवअकंपनआया।फौजस
जवलाअरासगुनसोंअपाया।लीगरणकी
फौजफगाई।पर्टेओलरवारवलाई।पास
तोमरखीमारककराई।कुमुदअरुमैंसमैदभगा
ईललकारनिसाचरकेरपरताई।४८।ह
नुमानपैवेदलमेराखसकोंधरलिया।ल
छलदीबहीमहीमुरदेविछायदिया।सख
ननिसिचरनेछोहा।सिखरसोंनिसिचरकों
फेहा।छितरायदियाहाडचांमअरुमेंदा।अ
कंपनहनुमानरगेरा।दरखतसोंमारस
गीरसबभेदा।४९।हनुमानबलवरखानकों
सभीसकलीकरै।रावनसुनाअकंपनहनु
मांनसोंमरै।डरेइककम्पहलतबोलाया।बखा
नावहोनबलाया।सरदारमेलापलतेष्मा
यकराया।विभीखनने नावबताया।रथचट
निसिचरवेगुपारलेआया।५०।नरांतकभौ
कुमहनुमहानादसमुनत विभिहनारउ
मुखजांबवांनसोंपाईरान।वानीकोंचारों

रामा:
३० 60

नेंमारे। रावसकोंबंदरविदारे। कैयेकबं
दरनिसिचरसोंहारे। रुधिरकेदरियाबं
करडारे। प्रहस्तसेनाप्रपनीलहकारे
५३। नगशृंगलेपिलामिलासेनापतीप्र
हस्त। वानोंकाटैपरवतबंदरोंकोंकिया
मुस्त। नीलकोंहोशजोशजवआगा। लप
करनिसिचरकाभागा। प्रहस्तक्रूहलटै
रथकोंसागा। मुसहेकोंनीलसोंलागा
घुमायवलसोंछातीनीलकीहागा। ५४॥
थोर्टैसभालनीलपिलाशिलाउगायेमस
मवहस्तप्रहस्तकामस्तकछितराययग
याअस्त। सेनापतिरावनकामारा। जसले
नीलसेनसभाला। निशिचरनेजायरावं
नपोंकारा। डरपायहिमतभीहारा। आप
आपासबसहायकोंटारा। ५५। रथपर
देखालकोंथाकोंसबसमरखडेथाहाय
सबकेनांमनामपूछाविभीखनदीया
बताय। सभीनेत्रिलोकहरायया। रावले ३०

61 सबकोंसोवाया। परधानमरासुनभापव
दआया। जीन्ते प्रभुकीनारिचोराया। देव
हांनोंकेमक्षांनछोडाया। ४१। रघुवरके
हंमारोंसुकरनजीवतापिरें। सबदेवस
जनदेषंबवानोंसिरगिरें। अकेलारावन
पिलाहे। सुग्रीवसंजीवगिराहे। हनुमा
नमुरछीसोंकंपाहिलाहे। निलकोफुतीर
देषपिलाहे। लछिमनबलीकोंबरछी
किलाहे। ४२। लछिमनउगायेमाउठेह
नुमानलेलषवा। रावनगिरायल्यायेल
छमनकोनिजसखा। देषारघुनाथमि
राने। सबनुषबसियावोरहिसवाने। राम
वांनलागेनगाहेयपराने। भागारावन
देवहरषवाने। लछमनसंदेशांकेजरषम
सुरानें। ४३। योहसहस्रबावनचोपैतीसे
लगकगेर। कलाकुंभकरणजागेला
गेगामेगानोर। सुनकरनकोंलागेजगा
मा। उभाजोपरबतदेखानाभाप
रावनसोंसनमानपाया। नाहोसंकें

राम:
॥३१॥ 62

डारद्रबकाया।सिरपावपायालडनेकोधा
या।१८।रावनकेपासजातेकपिकोंनअ
पडा।परबतसादेखकोंउरअंगदकुंअरद
डा।विभीखनकोंरामदेखावें।भाईकाश्रा
कंमरवसावें।जनरकहोवेंद्रभागनजावें
निलतायोंऊकमफुलमावें।ललकारोमा
रोयारोरामबचावैं॥१९॥निसिचरकोंसंग
लेबलाबदाबलायसा।डलकागिरीअकाश्रा
सें।त्रिसूलमेंगिदूधसा॥आयामहाकाल
काजैसा।बंदरजोंनासोतहोयतैसा।घम
सानकेंअैसाजलहमेंभैसा।अंगदभीललका
रअैसा।उडायदेताआंधीपोनहोयतैसा।२
रघभगारभमेंदधन्ननीलदंमतार।कुमु
दद्विविदपनसहनूइंद्रसुतकुमारलल
कारसुंन्सोमनेपरते।मरनेसोंधुतलगा
नडरते।बरसादविहैनिसिचरसिरक
ते।लाबोंरगोरसोंभरते।नीसनिसिचर
बसलाविचरते।२०।द्विविदेपहाडकुंभ
करनपरडारा।रथकंबकुगायानिसाचरसे ॥३१॥

63 माकाधूम्रषला। सबोनेविहंडोसोंमारे। गवयस
त्राहित्राहियेकारे। अंगदहनुमानने मारे
विहरे। निसिचरकोंहनुमानयोंरारे। घोर
गिरकीसिरकेंचीफरेफारे। ६३। निसिचर
नेतैवमायाहनुमानकोंत्रिसूल। ललका
रपहाडसाफाडधूमेसालाजराएकहूल। र
षभकपीपायमिलेआये। योंयोंकेवेदम
सोलाये। अंगदकेंयेकपहाडवरसाये। नि
सिचरतिललिलखंडाये। त्रिसूलमारासंगा
दहोउववाये। ६४। अंगदउठलनमावामि
ढेलरधूमगिरा। उठहंसकोएकपुंषसोकपि
कोंगिरायकिया। वंदरकाविडौंनाकीना
सुग्रीवकोंमासनेलीना। छातीमेंभालाविं
गलकादीना। हनुमाननेअधमेंछीना। दो
हूकरडालालागन्तदीना। ६५। विदकोपाल
डफकासुग्रीवकोंलगा। उठायलेचलोयला
लंकामेंदधीरसोंवीरजगा। मननमनाक
नकरषपंछकनीसौंकोफाका। कानोंका

रामा॰
३२ 64

क।भोलाकमोघउखारा।उरआघरघुवरके
सखनूमेंणहा।नकरेनेगुरूलूकोश्राशभ
गाएवेदरधवलीनाधाडा।६६।सथलेवि
छावताआवतालछमनभडेलडे॥रारसों
पियाघरामकोंहेरवायरहियेरवडे।अवल
साअवलपरधाया।निसिचरवेदरसेनें
रवाया।हाथआयापुऊमेंअलखवाया
रघुवरनेअस्तरचलाया॥घूमताहेलो
हमासमलाया।६७।निसिचरनेकहारा
मसोविराधनहिकवंध।वालीनहीनमा
रीचमेंकुंभकरणधुंध।मुगहलसोंमेरव
भागा।कहेसेतेंनोंहाथदेहाए।धायआ
यासेतेंपावककराए।सयारामवंतनच
लाए॥सिरकाटलंकाभरवाटछेकाए
६८॥वाजेवजायदेवछहरूपावसवरखे
गंधर्वनागयक्षमुनीदेवेहरखे।निसि
वरत्रोनवेसोभागे।रावनतनभेअग
सीलागे।संतकाटेरोवेउरवमें।जानेगा ३२

मरूपमेंआगे।हनुमाधाआसाजीवनकीख
गे।९६।रावणकोंसुनारोतेत्रिशिराउग
यमकां।चारभाईदेवांवालडनेकोंहीनी
धमकां॥लमनेंतीनोंलोककोंजीता।मारे
गेवंदरकेमीता।भागआवेसोजावेगाजी
ता।युधोन्मतसाजीता।महापार्श्वमहोद
रत्नसजीता।७७।देवांतकअंग्रनरांतक
ओभतिकायत्रिशिरचार।रावनसोख
शखिलतलेलडनेवलेलस्पांत।सेनासं
वतरहारसंगहीने।वंदरभीपहाडकोंली
ने।हथियारमोर्वेपरमुकावलेकीने।नि
सिवरकेवंदरनेसीने।फाडदांतोंसोंह।
थियारकोंछीने।७१।घोघोडेचढनरांत
कचहनुमसोंमारतांकोटेंकपीकेहही
शगंग्रदपोकारता।भेआमारवाईघोडेका
होडाधारांआनजोडेका।प्रासछातीली
नाहयओडेका।ताङ्कवामिलतिलताडे
का।नलसोंमारताघोराआरवपोडेका।७२
नरांतकनेवालिपुत्रकेमस्तकवलाईष

ष्ट।अंगदकिलगीसीनेमेघुमडायगिराउ
ष्ट।अंगदैंकाडमोलहीपाई।अंगदकीजयै
देवसुनाई।हनुमानसुग्रीवसोंवेशवाःपा
ई।राघोजीग्रावासुनाई।वमकेर्वदरनि
सिचरफौजभगाई।।७३।।नरांतककोमगसु
तुकोदेखोतकहेडा।अंगदकोदेहलघतीनें
नेंहनुमानसोंजंगओडा।घूंसेसोंसिरका
उडाला।हेमहोदरकोंनीलटाला।हे।त्रमे
त्रिशिरपरहनुमानवालाहे।तीनोंसिरकों
काटडालाहे।ऋषभमहापार्श्वकोंमारडाला
हे।।७४।।अतिकायअतिप्रचंडहेपराक्रमी
महा।विभीषनसोंरामपूछागावनकुमार
कहा।वंदरकोंविस्तरसाषीना।लछमनने
सनमुखसोंलीना।केयेकअस्त्रसोंहराय
भीरीना।पवनकेकहेसोंबीक्रा।ब्रह्मास्त्रमा
रासिरकेंकरीवीना।७५।सेवोनावदीसो
जायकेरावनकोंडरायाया।जानाप्रहस्तमको
हिमतसोंहराया।वोकीवातेंअवसजाई
दंद्रजीतनेभागपापाई।ब्रह्मास्त्रविद्याअं

तरष्यानहैरवाई।चंदरगारदीकरदीकरहे
रवलाई।सउसछकरोउनिजकौजपकाम
आई॥६६॥सवदारसवसौलायेकोईनही
वेरे।हनुमानवलीविभीरवननिरवंवेरेषा
नरवरे।इंकाहेलेकाकोंपती।रावनसुन
संतोरवकोंधर्मी।सुतागोदवैठायचुंवन
कोंकरतो।विभीरवनहनुमानविचरता।प
हंचानजांववानकेगोडपरगिरता॥६७॥सु
नोपवनकेकुमारजोननेकहा॥औरवद
लेश्रआओजियाओधभुष्रसारवकोंसहा।सु
ननेरवदनवुहाये।औरवरकेपहाडकों
ल्याये।आसेईलशकरमेंवेदरगिजिलाये।ल
छमनवालावामउगाये।धरआयगिरकों
किसकोरकराये॥६८॥ऊकुमहआरघुना
थकालकाजलायदीया॥भरवसादिया।
सरवसजलादषिया वकोलालकिया।वं
दरघरघरजलावे।लछमनराघोनाथसो
हावे।इंकायकडकेनिसिचरडरपावे॥प
पाक्षाप्रजांधरहेआवे।संगयोणितास्रभकें

पवनधावे ॥ ७५ ॥ अंगदद्विविदग्रीवमें स्त्रीनों वार
सें लडे ॥ मारे हे वारों निसिचर मोहदसंगगु
डे ॥ निकुंभ का कुंभ जो भाई ॥ अंगदकी ग्रीव
गिराई ॥ मैंद्विविद की जोडी सोलाई । जांव
वानकी फौज भगाई ॥ जाई सुग्रीव सें जंग
मचाई ॥ ७६ ॥ सुग्रीवनेवलवरवाने सोमस्कं
भकों वहा ॥ कुस्ती में लडइ स्थका नव हरि सूकि
योथगता । ठवायकों दरिया वमें डाला । जलने
सोउद्ध लके वाला । मुष्टमारी मानों मोतसा
भाला ॥ घडी रोमें हरि हिघा सभाला ॥ वज्रम
री मुष्टी देल सा टाला ॥ ७ । निकुंभसुना कुंभ
कुमर रे सो जो शामगा ॥ कलपर घलें पिलामि
लाहनुमानपहेचानगया ॥ वेंरवभागेयामस
रनमें । परघतो हनुमानके स्तनमें । किलकि
लाअवजंगवदनमें । मूर्छा सी वयायकों
रनमें । निकुंभउगमृकी रवायकोंछिनमें ।
७८ ॥ निकुंभनेहृधिकोहर गगानलेउडा । म
स्तकमसुहृबायकेमुखबायकोपडा । प
कडकोजिमीनमेंपटका । गरदनकोंघुमा

69 यकोंअरका।उरवाडफेकासिरक्रियामरघ
टका।गातीनोलोककावरटका।निमिवरव
चासोभयपायकोंसटका।८१।रावनेरात
पीसकोंमकराक्षसेकाही।तुमजाओफले
गुनाओंगुनलेइककपानकरकाही।मोछेप
रताघकोंपक्षा।कहेलावलदेरवोगेमेरा।जाते
ईडालोरघुवरपरघेरा।वेइसोकोंभगायला
हेरा।श्रीरामपकलेखवरसाहालहेतेरा।।८५।।
रवरकेमारनकिनोकगुनकोरामपरकु
टा।लइभिडकोंरथकोतोडालवसमलेलवरा
मारासोरघुनाथनेतोडारावसमकीवांथ
कोंदेडा।।अगम्यारवसोरामनेसीमाकोडा
रवरकेवरनेथानकाछोडा।सेनालेकाभगी
पीरनमोडा।मकराक्षकोमरासुनरावनने
रांतवजाये।मेघनादसेआताहेसिरनवा
ए।।अपनाइसहेमकरहीना।छिपकपिमे
कंतलामसाकीना।रामलछमनकोभीपे
चमेलीना।रावनकाकुमारकेचीजा।रसा
लसोगाफिरदर्सननहीना।।८६।।पछिमतर

रामा॰ फगयाभिसयामायवतायको। हनुमानह
॥३५॥ गढरायेभिसयावधदेरवायको। वंदरजोव
70 दलउडाये। लारवोलोयकरगिराये। हनुमा
नपिलचेसवकपीपरलाये। नगरमेंजासो
मानरहाये। पकडतायपिकरलेगोतेराजरावं
ये।८७। सियापतनहनुमानकहारामसु
नकवचनकिये। कहेलीकटेसणमेधूमघ
रायगिरे। लछमननेसंवोधसुनायो।
विभीखनभीसेडआया। उगायप्रभुकोह
थियारसजाया। भतीजेकोभेरवलाया
संगल्पायलंकापरलछमनचढाया।
विभिखनकावचनसुनप्रभुमेमिवसो
कहा। हनुमानअंगदामलउधूमागेमेने
केसवकजतमहा। लछमनसुनकमानक
रलीजी। विभीखनकीवातकोंवीजी। ह
नुमानअंगदकीफोजसंगलीजी। रघुव
रकीपरंछनाकीजी। आयनिकुंभिलाम
मकोंछीजी॥८८। विभीखनकहेलछमन
सोयहिगोलजोगिरे। विनहोमहणविढ ॥३५॥

71 कोषिनरथमिलेकिरे। मागातभीजायगा
ड्यामन्। सुनवानवरसाएलछमन्। वे
दरलडावेललकारविभीखन। निसिचर
देखवेकीहोनेकरन्। वोहीचदडोडापहिले
केसंपदन्॥ ८०॥ हनुमानपरवलायाएक
तीरवेककरय। ललकारकोविभीखनलछ
मन्मोहोविह्वकर। हनुमानपरखावक
राए॥ इन्द्रजीतकेसासनेआए। वलायवर
गतविनपरसेछोडाए लछमनजीकोभे
दवताए॥ अंतर्धानहोताइसकोहाथला
गाए। ८१। वाचाकाविटभतीजाकहेताकइ
कवचन्। वाचाकहेवकेआमरनेकातेरा
विरूं। लछमनसेवकवाहकरताहे। हथि
यारोंकीमारधरताहे। हनुमानपरचदल
छमनलिडताहे। रनमेवरोवरलडताहे। लछ
मनकेहलिप्रश्रघ्राजमरताहे। ८२। कवच
कहेहेइजनकेसरजालभरभकासा एका
केवानकादेगहपटभएसवपासा। वद

रैनैंघोडोकोंमारा।रथवानकासिरउतारा
लछमननिसिचरकागोलविदारा।कैक
नविभिखनलेमारा।छिपजायरथल्याय
इंद्रजीतललकारा।५१।अस्त्रचलाए
लछमननिसिचरनिवारता।प्रबलरूप
पलंमारकोबंदरविदारता।कमानल
छमनकात्सरसरता।बानोपरबानोको
मरता।इंदरकादीनाबानकरमेंधरता
रघुबरकीकसममनकरता।बहाकाम
सिरभद्दासागिरता॥५२।इंद्रजीतमा
राइंदरकेअस्तसो।सबदेवकपीहरखउ
हपवरसतोवसों।लछमनकीजैकहे
सिधावे॥रघुबरकोंपरपायनिहारे।न
वणोदबैणघवरवानउचकावे।सुषेण
नेघावसमवावे॥तयारलछदेवंदरमोरचे
डारे॥५३॥मेघनादमराप्रुनरावननेलो
थकिया॥हातोंसोंहोठकाटिसियामार
नकोंलेचालीया।देडादेखवाबानकी

73 उरती। रघुबरकी फिकरकौं करती। सममस्रा
यसुपार्श्वने भुरुः कौं पकरती। सभावैठे
छाती जरती। विलाकुरुथ भेजी फौज हम
रथे करती। ९६। रघुबरकौं आय घेरे मर्क
टी सें लिये छाय॥ गंधर्व अरुथ मागा आष
समरहीन कराय॥ द्रिडडी तोइ रामलखा
ने। अंत्रिरव में सोदेव हरखाने। निसिच
रकौं निसिचर सभी राम देखाने। रघुज न
सों भरत रखरखाने॥ इस बलकौं हम श्रो
गों करसिखाने॥ ९७॥ घरघरमें पडा रोना
रावन सबन सुना। महाकाल सा कोध क
रवहाल डुना वना अपना। मो छौं परतो
बदे वोला। इरकौं तीनों लोक भी डोला॥
वडाई अपनी कहेता वावला भोला। जि
सकौं देखुसी का मोला। राम भरतें कहे
क मान कैं तोला॥ ९८॥ ग्रथम पाव धरते
सन मुखसों ऊं ईठी क॥ अप सगुन म
नेके कहने लगे नजीक॥ तो भी मारेजो

मचइहोडा। महापार्श्वविक्रपाक्षकाजोडा। भा
ईमहोदरजंगमछोडा। वंदरकोटेंकोट
कोतोडा। सुग्रीवलडकोंनिसिचरकोंमोड
ईस। विरूपाक्षगजचढासुग्रीवसोंलडा। ।
एकपेडचलायागजगिराविरूपाक्षउछ
लखडा। तेगाढाललेकोंलडता। सुग्रीववि
लाहक्षसोंभिडता। चोटतेगाखायनेकल
पडता। उछलललछातीमेजडता। प्रानछु
टेआखवंफाडकोंगिरता॥१०॥ हकुमसोंम
होदरनेवंदरोंकोंभगाया। सुग्रीवनेलल
कारशिलागिरमेंलगाया। निसिचरनेमिल
तिछुडाई। रथतोडजिमीनदेखाई। हथि
यारतोडमकीलातचलाई। तेगाटालकी
लडाई। सुग्रीवकाटासीसवेंगावाःपाई॥११॥
भारासुनामहोदरमहापार्श्वभ्राघाधाय
कपिकाकलकियालियअंगदसोंघाटजा
या। वानेंकावरसादवरसाया रथतोड
जिमीनदेखाया। लोहेंगमापाअंगदकुद ॥३७॥

बधाया।मकीसोंजमलोकपहोंचाया।महा
पार्श्वमरनेसोंरावनरोवाया॥२॥कहगये
सभीसहायरहाअकेलाआपरथचसला
मसकेअरथमोंवैरयोंकोंहैसताया।वानें
कापारलनसाछाया।राघोजीकेकवकआ
या।अषछिलक्षकारलछमनअरकाया॥
लइतोंछोडेरामपरधाया।अनुरारूपर
रामअगम्यारूबलाया॥२॥रथतोडिदया
लछमनभोरविभीखनमिलकों।वर्छीकला
ईभाईवयालछमनवेधेपिलकों।गिरेधा
हीनसेहोकर।रघुवरनेवांनोंसोंमोकर।ह
नुमानभेजाउतरामनेरोकर।जडेसोंगिरि
कोंल्याथानोंवर।संजीवनीदीनीउठेसमुह
धोकर॥४॥रथवेआयारावनअस्तरव
लावता।रघुनाथदियातोडइंद्ररथभेजा
वता।वानेंसोंरावनविजलाया॥माहूराम
वंइरवीया।तीनोंभुवनमेंउतपातहैरवा
या।वर्छीमोंत्रिपूलनतोडाया।रामवानोंसों

रामा· ३८ 76 भगाया॥४॥रावनकोंचेतहोतेरथवांनसों
कहा॥तनेंक्योंमुझेभगाया॥घायलसुनेस
हेना॥रीनांहेईनामकागहेना॥लेचलेमें
मसांनेयहेना॥दुय्यमनमारोंगायामार
केमहेनां॥अगस्तकेउपदेसकोंसुचहेना
श्रीसूर्यनारायणकोंप्रयसंकरकहेना॥६॥
रथवांनरथचलायकोंजेवरामपरपिलो
ंअभिरतसोदेवदेखेथलरहलसोंरथचला
सगुनमरनेकेजानेकेजाने।रथकेरने
चलनलाने।रावनकेरथकेनिसानथ
रराने।रघुवरकोंसहायदेखाने।हवासा
देलमेंसभीदेववखाने॥७॥लडनेलगर
थदोनोंनिसिचरवंदरसवडे॥मरनाहक
हेरावनमारनकोंरामलडे॥दोनोंवीरबा
नचलावे॥रावनधनाकाकादिगरावे।रामरा
वनकानिसानउडावे।बानोंकापिंजरसा
छावे।दोडायरथकोंरथकेसाथसटावे॥८॥
गदपदभयेरथदोनोंघोडेलिपटलडे। ३८

77 गदामुसलपटात्रिशूलरामपरग्रहे। वेसे
रामवानवरसावे। चौदहंभुवनत्रासमसा
पावै। देवदानवमुनीनागगमपावै। गौव्रा
मनकल्यानमनावे॥ रावनसोंरामकाज
सुनावे॥ ९॥ रावनकासिरगिरायारघुव
रनेवानोंसों॥ एसेगिराएसोशिवरह्या
श्रीवसानसों॥ क्योंकररामवानजिवा
या॥ दिनरातकाजुद्धकराया। त्रिमीन
भसमानपरवतमेधाया। मातलिनेव्र
ह्मास्त्रसाया। प्रगतदीनावानरत्लव
दाया॥ १०॥ डरगयेसुरसरगासरघभूने
करधरा॥ व्राह्मासत्रपरथयोगकरसत्रुजो
रावनरा॥ छातीफोडरथसोंगेरा। सरसु
रसविमेकलानकरफेरा॥ तीनतलीपैवा
पायपरचेरा॥ सुरमुननेरघुनाथकोध
या। नक्कारेवजायसुमनवरखेरा॥ ११॥ वो
गिईदेवदलवादलमेवानरवमूके। जे
मेसिघावरकीकहेविभिषनऊवेगम

को।रावनकिकिमलखरवानी।भाईमेरीध
कनमानी।रामवानोसोसोयागुमानी।इ
सकीकरनीकरनीगानी।रामकहैअवमे
राहोस्तहैजानी॥१२॥मंदोदरीरावनमरा
सुनकोंसखीसंगआाय॥जारआरोावे
रनवासपतीकेपासपड़ीसववाय॥मं
दोदरीमूढ़सगावे॥रघुवरकोंविलापसु
नावे॥रामहनुमानसंवोधसमझावे॥ल
छमनजीकरनीकरवावे।करकाजवि
भीखनमरनमेंआवे॥१३॥लंकेराभणवि
भीखनहनुमनकहीसियपास।रघुव
रकीरजापायकोंविभीखनलेआयेपा
स।प्रभुसीतात्यागकरदीनी।कसमक
रकोंआगनेलीनी।विधवेदवानीवोले
रामस्तुतिकीनी।मायारामकीचीन्ही॥
दशरथनेंइनसोंसवव्यक्तकहेहीनी॥१४
नीर२ अगिनतेंसियाहीलीनीगलेलगाय॥
शंकरवरदानकरगयाएदशरथकोंमि ३९

79 लेधाय। इंद्रसैं आसी सगुजरानी। जीवेबंद
रफूलफलपानी। नितनितपावैसीधोल
हीवानी। उठेसवजोरेनवेहानी। सिघारा
मलक्ष्मनने अवधनगरीमानी॥१४॥सब
दैवभयेविदाहावतविभीखनदीनी॥पुष्प
कविमानचढचलेसंगफोजअनगिनी।
सिसिवरकीरनभूमिदेखराई। समुदरकि
ष्किंधवताई। ऋषिमुकपंपाजनस्थानल
खाई। कुटीचित्रकूटकी आई। सुकामप्र
यागमोपंचवमीपावसीपाई॥१६॥हनु
मानतेंजायसंदेशोजवभरतसोंकहे। आ
नेरुभयेउगारनगरभेटकरकहे। चलेप्र
भुकोमिलनको। अवधमेंउत्साहजन
को॥जननीचलीसभीसंगलेधनको। भा
येरामयाप्रभवनको॥राजलीनाभाचाम
तैकेमनको॥१७॥रथपरचलेनगरकोंत्रि
भुवनमेंजैजैकार॥इक्ष्वाकुधर्मआयकि
याअभिषेकसरंजामसत्यागर। समुदर

रामा.
॥४०॥
80

जलवंदलयाए। सुरमुनिजनमिलयामक्र
लाए। सियासनबैठगुरुनेंकीहपेक्राए
सबधरगए हनुमानवरपाए। दससाल
हजारसुखसोंइखलाए॥ ५॥ श्रीरामरा
जवैठएछनमुनेकोय॥ घरनधामभरीध
रनीकरखधर्मलोय। अधर्मकालेखन
आना॥ जननेजगमेंरामुववखाना। देवमु
निगनसवभेइस्पसमाना। धर्मोहिकप
हार्थनिजपाना। प्रेमअंगगायेंश्रुनागास्त
रज्ञाना॥ ६॥ अतत्सुतजिहिवेदकहिवहि
मरूपधरराम। निमिखगोमतीतीरज
गकीक्रमुनिनविश्राम॥ १॥ भूदेववानर
लकपजनककेकथाधीश। मुनिमिलसे
वतचरनयुगभ्रातमित्रअवधीश॥ २॥
भुवपतिदीनदयालप्रभुरावनमारन
काज। रघुपतिसियपतिश्रीपतिकहेल
वकुशअभिरलाज। ३। वनकेसिखवाल्मीक
केकथाधीशमुनिआदिकाव्यश्रुतिनाम ॥४०॥

४। चौवीससहस्त्रकीसंहिता।सातकांडसर
नाम।४।स्वर्गमृत्युपातालमेरामनामवि
श्राम।एसेरूपनहोयगेसज्जनमनअभि
राम।५।।इतिश्रीआभास्यरामायणेशुद्ध
कांडेश्रेमरंगकृतौनामषष्टमोसर्गःसमा
प्तः।।६।।मिलाजवराजरघुवरकों।मुनी
सभीआयेमिलकरकों।मरकहेतेहेनि
सिचरकों।लछमनथनकहेकिरकों।।१
प्रभुपूछेहेधनरवका।कहोवरदानसव
वलका।कहेहेअगस्तपुलस्तकुलका।ज
नविनेघालकसुरकों।।२।।अजकेहेतीसो
विधुनकेशा।उसेसुतसोवदियासोसुके
शा।उसेसुततीनऊएसोलंकेशा।चलायेर
नमेंजिनहरकों।।३।।सुमालीमाल्यवानमा
ली।मालंकटंकटकेकुलपाली।छिनाईलं
कवनमाली।चलेरोमगालडमरकों।।४।।
सुमालीकीकुमारीसें।रावनघटकनेसु
पनखीसे।जनेविभीखनअधिकारीसे।

रामा॰
४१
82

वहेवरपायलवकरकों ॥ ५ ॥ लंकाधनपाल
मोंह्रीनी । विलयमेंहेदरीलीनी । अमस्त
तनादधनकीनी । सोआघरकर्नीकिय
घरकों ॥ ६ ॥ धनेसकाहतरिलायडाला
वहधनपतिगिरायडाला । उवायकैला
सहिलायडाला । शंकरसोंद्रोयलियावर
कों ॥ ७ ॥ इहातनयेदवतीसीदेति । मकतला
वससोंहीतो । भनवमकेमायभयभीत
जितायाअसनेजमकुरकों ॥ ८ ॥ नागों
कापुरकियावसमें । देनोदानोंसोंकरकस
में । वकनवहेववेरसमें । वलीग्रासनकहे
हरकों ॥ ९ ॥ उहलपातालमोरविसो । कहा
याहलवहरीसों । विमानेदेखगकरीसों
लडामोधातकियादेस्ती ॥ १० ॥ पवनकीआ
छमीवट । लडारावनसंवोसोंवट । निशाक
रओलअमरहरपट । कपिलसोधलगई
मस्ती ॥ ११ ॥ कडकतीविद्याछिनायल्याया
रोईस्त्रियासाथपकिरल्यायाया । सुपनल्यास्था ॥ ४१ ॥

८३ नरवरपायो। कुभीनसीकोजवलागस्ती।२
हमारुग्रसोहणीलेकर। मधुकोमिललि
यासंगधरकर। पकडकुंभसोंअवरीकर
नलकूवरसापवंजीरवस्ती।१३।सरणापक
चैभमरसुनको। बचनबामनलइनसुन
को। सुमालीमोतवमनुनको। अचीपनोधि
रलियाहस्ती।१४।गावनकोंग्रेरलियसुन
कू। लइघननाद्अधेराकस। पुलोमापू
तभगायाउस। छोडायरावनकियाकुस्ती
१५। निसिचरकाभूतलडापिलकों। पकड
लयाथापाकथासनको। छोडायाईवदिग्या
पनको। बडाइस्तीतपिताघुस्ती।१६।कह
रघुनाथअगस्तमुनसों। कोईवरदस्तनरा
वनसों। छोडायावार्अर्जुनसों। प्रलस्तक
रदोमतऊर्ईखुस्ती।१७।सुनाजखवडावा
ली। धरलरावनबलवाली। वगलधर
वायपवायडाली। फिरोपशमिरजवरस्ती
।१८। हनुमनबलकोंसगाहेराम। कलसु।

जीवरजनमर्हिनकामपितासुग्रीवसोंमाता
नाम।कुमारसुनकोकथनकरहते॥२४॥स्था
ननमानप्रभपहचान।मियावुधरोहिणी
मीमान।नारदस्थूलधीपवलीजनजान।व
लाधारोहजियावहते॥२५॥वलीरावनका
सुतसरनाम।प्रभुमनेहचानरवाम।कथा
करेसुनगणनिजिधाम।जनककेकेयवि
दागहते॥२६॥यावतवानरविदालेते।स
रनहनुमनरहनदेते।विभीखनजोआवप्र
नरदेते।ग्रिशानघाजायिरहहहते॥२७॥लि
याप्रुष्पकवगीचेजाय।मियावेनकोलिया
वनपाय।निचनकोवचनलछमनसंगजा
य।छोडाधवालमीकवनराहते॥२८॥सम
चेमनचकहाहोनहार।मिलेप्रभसोंरोयवो
धार।लछमनसोंसुनरामनउरधार।स
भाहेरवनृगनरगलहते॥२९॥निमीनग
मीक्षमानकोर।गिरेगुरुदेहदेहधरी।पया
तीकीक्षमासुथरी।सभागनसुनेकरन

85 कहहेते। २५। प्रभु माहिम्न का किया इन माफ गी
द्धको जानकी नी माफ। मुनी निम धकवनके
मागे माफ। लवन मारन अग्नि लन वृहले
२६। याचूपन को दिया सरराम। श्राघेया
ल्मीक मुनके धाम॥ सुना सो इस्सु सिया
सुत नाम। लई मधकवन लवन सहेने। २७॥
कस सिरअृल विनाशार सो। वसा वनन रा
म विरहवर सो। जिला यावाल धरम उरसो
कदाशिर सहयो सुकका तुत्ने। २८॥ अगस्त
केहत्तलिया गहुना। सुना इंडक का वनक
हेना। त्रिकरहयमे सप्रवधर हेना। लम
नहश्रागिकी कही फुने॥ २९॥ प्रभु रत्नकी क
थाक हेले। पुरुषश्राचल रनव हेले पुरुरवा
भूत अगटल हेले। एसी सांवजागकी हेजु
ने॥ ३०॥ बोला एवे प्रभु सवजग मे। आये वाल्मी
क जग मग मे। कहाल वकुश ने नगरवंग मे
सिया सो गंध लिया सुषडने। ३१। क्रुआ जेग
राजधानी आय। मिलो जननी पती पइजा

राम·
४३
86

थ।भरतगंधर्वकुलतूरपाय॥अंगदचंद
केतपायेविते॥४४॥सुनाप्रभुकालकाभा
रवन॥सिधारेकालकारनलछिमन।छ्मा
रणपारः हएसमसुन।मुलकलवकुसौलि
यारवर्ते॥४५॥राघ्रुघनकोबोलायलीने॥
नगरतजेरामगाघेनकीने।प्रभपरब्रह्म
दरसदीने।गएसोगोसारमोहनमृते।ध
वलेसबदेवमिलसाताने।भयेदिव्यदेहव
देहविमान।अवधमेंलेरवनदेखाग्रान।
कहावाल्मीकपदेअनिवर्ते॥४६॥अथमो
चनकोरूजनमकाज्ञान॥इतीआभीसअं
तरधान।कहाप्रेमरंगमिथापतरपान
गायनसोंरामभिलेंगेधार्ते।४७॥इतिश्री
वाल्मीकीयआभासरामायणेउतरकांड
समाप्तः॥अथफूलस्तुतिप्रारंभः॥हरिॐन
मः॥ ॐ ॥यणआभासहसामकांडवाल्मी
क।अथसानीअधिकलसलखवतरामज
सलीक॥१॥मननहानरसहानजिहिराग ॥४३॥

87 ग्यानसुधहोय।ताहिदिखावनग्यानघरुसुख
मोंतमअसतमोय।२।सीखवतसुनतजोध्या
मजनरहतपापलखवोनि।अनुरागातम
काएकहदेभक्तइसुधसिक्किहोनि।३।तारक
मंत्रधरतछैधमुद्वारथनंदनराम।सोई
शिवशावकोकहतशिवहोयधावतधाम
४।छंदरघवतजानततनहीनहिजानतसुध
राग।उमाकीओमोहेचतुरनरलबिरघु
वरअनुराग।५।श्रीमुरामकीकरअवलप
सरवदे हैज्ञान।मानसोंकरभजनहेमन
खरूपधरप्यान।६।काशीवाशीविश्वहोर
हतसमतरधाम।पवनकुमारप्रताहसों
गायदिखावतराम।।७।।अजशिवशेषनक
हिसकैमहिमासीताराम।।इहदेवसुरदेव
सुतनागरकविअभिराम।।८।।संस्कृतभा
कृतदोउकहेंस्वयम्भुकेबोल।वाल्मीकी
एप्रसादसोंगावेरागनिबोल।।९।।संवतबारह
सोअष्टावनाविक्रमशाकमलमासजेष्ट

1858

कृत्स्नएकादशीरविकुलनंदनपास।१०।ज
लरामायत्नकहतकोइसुनतकपीकरजो
र।७लोकितअंगनयस्वंवस्थानिलविपु
अमुघोर।११।प्रभुसंगतज्योनरसतज्योया
मयोकोपत्ननयाम।प्रेमवंशहनुमतसधनसु
नतअहर्निशाराम।१३।इतिश्रीवाल्मीकीये
भाभासरामायणेफलस्तुतिसमाप्तः।।६।।
मीतीमाघवदि८गुरुवारसंवत्१८८७का
लीपतंश्रीनारायणेनलीखायतंकवरगो
विंदवकसत्रआत्मपठनार्थंशुभंमस्तु।

ॐ आपदामापहंतारं दातारं सर्वसंपदां
लोकाभिरामं श्रीरामं भूयो भूयो नमामिहं १
वातापी भक्षता जेन पीत्वा जेन महोदध
समुद्रसोषता जेन अगस्त्यदेव नमोस्तुते २

॥अथध्यानं नीलेंदीवरतुल्यस्यामबदनं पीतां
बरालंकृतं सुजाज्ञानमयंदध्यानमपरांपद्मा
सनेसंस्थितां सीतांपार्श्वगतांसरूहकरांबि
द्युनिभंराघवं पश्यंतंमुकटांगदादिबिबुधे
कल्पोज्वलांगंभजे १ यदामहाग्राहग्रहीतका
तरंसुपुष्पितेपद्मबनेमहाद्भुतं बिमोचयामा
सगजेंजनार्दनं नमामिदुःखमबिनासनंहरिं २
अश्वत्थंभास्करंगंगांनेमसारन्यपुस्करं प्रियागंब्रह्म
तीर्थंचदंडकारन्यमेवच १ पुराणंरामचरितंभारता
ख्यानमुत्तमम् बिभूतिंबिश्वरूपंचस्तवराजअनु
स्मृतिं २ एस्मरंतिमनुज्जाप्रियातिस्थिरबुधये
दुखभोनस्यतितस्यसुखमस्यभवष्यती ३ गंगाध्यान
उत्फुल्लामलपुंडरीकरुचिराकुंभसबिद्यात्मका
कुंभेशोभयतोयजंबिदधतीस्वेतांबरालंकृती ह
स्ताभ्यासशिसिखराखिलनदीश्रेण्यादिसंसेव्य
ता धेयापापबिनासनीमकरगाभागीरथीसा
धकै १